



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 501]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 1, 2001/आश्विन 9, 1923

No. 501]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 1, 2001/ASVINA 9, 1923

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 2001

**सा.का.नि. 750(अ).**—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205ग की उपधारा (3) के साथ पठित उस अधिनियम की धारा 642 की उपधारा (1) के खंड (क) और खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

## 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विनिधानकर्ता, शिक्षा और संरक्षण निधि (विनिधानकर्ताओं की जागरूकता और संरक्षण) नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

## 2. परिभाषाएं : इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) 'अधिनियम' से कंपनी अधिनियम, 1956 अभिप्रेत है;

(ख) 'निधि' से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 205ग की उपधारा (1) के अधीन स्थापित विनिधानकर्ता, शिक्षा और संरक्षण निधि अभिप्रेत है;

(ग) 'मंत्रालय' या 'विभाग' से कंपनी कार्य से संबंधित केन्द्रीय सरकार का मंत्रालय या विभाग अभिप्रेत है;

(घ) 'समिति/उपसमिति' से निधि को शासित करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 205ग की उपधारा (4) के अधीन विनिर्दिष्ट समिति अभिप्रेत है;

(ङ) 'प्रारूप' से इन नियमों द्वारा विहित प्रारूप अभिप्रेत है;

(च) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो क्रमशः उनके अधिनियम में हैं;

## 3. निधि में जमा करना :

(i) कंपनी द्वारा अधिनियम में यथाउपबंधित रखी जाने वाली कोई रकम पंजाब नेशनल बैंक की संबद्ध विनिर्दिष्ट शाखाओं में, निधि में जमा किए जाने के लिए ऐसी रकम के देय होने की तारीख से तीस दिनों की अवधि के भीतर प्रेषित की जाएगी और इस प्रकार जमा की गई रकम नीचे नियम 4 में उपबंधित के अनुसार लेखों में ली जाएगी।

(ii) (क) कंपनी द्वारा केन्द्रीय सरकार के निमित्त रकम पंजाब नेशनल बैंक की ऐसी शाखाओं में चालान (तीन प्रतियों में) के साथ निविदा की जाएगी और बैंक रकम प्राप्त किए जाने के साक्ष्य स्वरूप कंपनी को सम्यक् रूप से स्टांपित दो प्रतियां वापस करेगा।

(ख) प्रत्येक कंपनी (क) में निर्दिष्ट चालान की एक प्रति निधि में रकम का निक्षेप किए जाने के साक्ष्य स्वरूप संबद्ध कंपनी रजिस्ट्रार को फाइल करेगी। कंपनी निविदा रकम की पूर्ण प्रविष्टियां और प्रकृति तथा उसका लेखा शीर्ष की प्रविष्टि करेगी।

(ग) (i) प्रत्येक कंपनी निधि के लेखों में जमा किए जाते समय संबद्ध कंपनी रजिस्ट्रार को प्ररूप 1 में पृथकतः एक विवरण प्रस्तुत करेगी जो भारत में व्यवसाय कर रहे किसी चार्टर्ड अकाउंटेंट या किसी कंपनी सचिव या किसी लागत लेखापाल या कंपनी के कानूनी लेखा परीक्षकों द्वारा सम्यक् रूप से सत्यापित होगा। परन्तु प्रत्येक कंपनी उन व्यक्तियों की बाबत जिनका लाभांश, आवेदन धन परिपक्व निक्षेप या डिबेंचर उद्भूत या संदेय ब्याज की रकम असंदत्त है या अवदावाकृत है, तीन वर्ष की अवधि के लिए फोलियो सं., प्रमाणपत्र संख्या आदि के संबंध में अभिलेख रखेगा और समिति या उप समिति को उस अवधि के ऐसे अभिलेखों का निरीक्षण करने की शक्तियां होंगी।

(ii) इस विवरण के प्राप्त होने पर, संबंधित कंपनी रजिस्ट्रार ऐसी प्राप्ति के ब्यौरे रजिस्टर में दर्ज करेगा और इस प्रकार प्रेषित या संग्रहीत रकम को मासिक आधार पर संबंधित वेतन और लेखा अधिकारी के साथ समाधान करेगा।

(iii) प्रत्येक कंपनी रजिस्ट्रार मास के दौरान प्राप्त ऐसी प्राप्ति का एक सार मास की समाप्ति के सात दिन के भीतर कंपनी कार्य विभाग को प्रस्तुत करेगा।

(iv) कंपनी कार्य विभाग रसीदों का समेकित सार रखेगा और उनका समाधान त्रैमासिक आधार पर कंपनी कार्य विभाग के प्रधान वेतन और लेखा अधिकारी के साथ करेगा।

#### 4. लेखों की रीति :—

(i) (अ) सभी प्राप्त रकमें निम्नलिखित लेखाशीर्षों के अधीन लेखों में ली जाएंगी जिन्हें तत्पश्चात् निधि में अंतरित कर दिया जाएगा।

**मुख्य शीर्ष** 0075—प्रकीर्ण साधारण सेवाएं।

**लघु शीर्ष** 104—कंपनी में विनिधानकर्ताओं के अदावाकृत और असंदत्त लाभांश, निक्षेप, डिबेंचर आदि।

(क) असंदत्त लाभांश

(ख) कंपनी द्वारा प्राप्त प्रतिभूतियों के आबंटन और प्रतिदाय के लिए देय असंदत्त आवेदन धन

(ग) असंदत्त परिपक्व निक्षेप

(घ) असंदत्त परिपक्व डिबेंचर

(ङ) (क) से (घ) तक पर उद्भूत ब्याज।

(i) असंदत्त लाभांश पर ब्याज

(ii) कंपनी द्वारा प्राप्त प्रतिभूतियों के आबंटन और प्रतिदाय के लिए दिए गए असंदत्त आवेदन धन पर ब्याज

(iii) असंदत्त परिपक्व निक्षेपों पर ब्याज

(iv) असंदत्त परिपक्व डिबेंचरों पर ब्याज

**टिप्पण :** (क) से (घ) उपशीर्ष होंगे, (i) से (iv) विस्तृत शीर्ष होंगे।

(i) (आ) राज्य सरकारों कंपनी या किन्हीं अन्य संस्थाओं द्वारा निधि को दिए गए अनुदान और दान मुख्य शीर्ष—'0075 प्रकीर्ण साधारण सेवाएं' के नीचे लघु शीर्ष 800—अन्य प्राप्तियों के अधीन एक पृथक् उपशीर्ष के अंतर्गत जमा किए जाएंगे।

(ii) उन उद्देश्यों को, जिनके लिए निधि स्थापित की गई है, पूरा करने के प्रयोजन के लिए सभी व्यय कंपनी कार्य विभाग के कृत्यकारी शीर्ष व्ययशीर्ष के अधीन उपगत किए जाएंगे और समतुल्य रकम निधि में से रकम के अंतरण द्वारा घटाई गई प्रविष्टि के रूप में दिखाई जाएगी।

(iii) निधि लेखों में से, अधिशेष रकम, यदि कोई हो, वर्तमान में विनिधान प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाई जाएगी।

#### 5. समिति के व्यय :—

(क) समिति या उपसमिति के सरकारी सदस्य उनकी पदीय स्थिति को विनियमित करने वाले नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता के हकदार होंगे।

(ख) समिति या उपसमिति के गैर-सरकारी सदस्य या समिति या उपसमिति के कार्य के संबंध में विशेष आमंत्रितों द्वारा की गई यात्रा के लिए वह केन्द्रीय सरकार के अनुपूरक नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता के हकदार होंगे।

(ग) समिति को ऐसे क्षेत्र में, जिन्हें आवश्यक समझा जाए विशेषज्ञों की नियुक्ति/पारिश्रमिक की सिफारिश करने की शक्ति होगी।

(घ) समिति को उसके साथ रजिस्ट्रीकृत स्वैच्छिक अभिकरणों के लेखाओं की संवीक्षा करने के लिए लेखापरीक्षकों की नियुक्ति करने के संबंध में सिफारिश करने की शक्ति होगी।

## 6. लेखाओं की संपरीक्षा

निधि के लेखे प्रतिवर्ष कंपनी कार्य विभाग के आंतरिक लेखा परीक्षक दल द्वारा संपरीक्षित किए जाएंगे और वे भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के कार्यालय द्वारा संपरीक्षित किए जाने के भी अध्वधीन होंगे।

## 7. समिति का गठन और कृत्य

(क) समिति दस सदस्यों से मिलकर बनेगी, जिसके अंतर्गत उसका अध्यक्ष नहीं है जो कंपनी कार्य विभाग का सचिव होगा। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा सदस्य का नाम निर्देशन केन्द्रीय सरकार के ऐसे किसी अन्य मंत्रालय या विभाग से जो विनिधानकर्ता संरक्षण क्रियाकलापों में लगे हैं और विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण के क्षेत्र के विशेषज्ञों में से किया जाएगा। गैर-सरकारी सदस्य दो वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे। सरकारी सदस्य दो वर्ष की अवधि के लिए या तब तक जब तक कि वे अपनी स्थिति पर बने रहते हैं, उसमें से जो पूर्वतर हो, पद धारण करेंगे। समिति के गठन के राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

(ख) समिति के कृत्य

(i) समिति विनिधानकर्ताओं की शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण के संबंध में निम्नलिखित क्रियाकलापों की सिफारिश करेंगी :

(क) मीडिया के माध्यम से शिक्षण कार्यक्रम;

(ख) गोष्ठियां और संगोष्ठियां आयोजित करना;

(ग) विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण क्रियाकलापों में लगे स्वैच्छिक संगमों या संस्थाओं या अन्य संगठनों के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रस्ताव;

(घ) विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव जिनके अंतर्गत अनुसंधान क्रियाकलाप और ऐसी परियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए प्रस्ताव भी हैं।

(ङ) विनिधानकर्ता शिक्षा, जागरूकता और संरक्षण क्रियाकलापों में लगी संस्थाओं के साथ समन्वय करना।

समिति को उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ऐसे अन्य कृत्य भी सौंपे जाएंगे जिनके लिए विधि स्थापित की गई है।

(च) (i) समिति जब कभी अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्ण और त्वरित निर्वहन को सुकर बनाने के लिए आवश्यक समझे, एक या अधिक उपसमितियां नियुक्त कर सकेंगी।

(ii) उपसमिति सदस्यों में से गठित की जाएगी।

(iii) समिति का अध्यक्ष उपसमिति के किसी सदस्य को उसका संयोजक नामनिर्दिष्ट कर सकेगा और जहां भी नामनिर्देशन नहीं किया गया है, वहां उपसमिति के सदस्य अपने में से ही एक को संयोजक निर्वाचित कर सकेंगे।

(iv) समिति के पास अनुदानों के अन्य उपयोग के उद्देश्य और सहायता की परीक्षा और निधियों के निर्गमन की सिफारिश करने के लिए एक उपसमिति हो सकेगी।

## 8. किसी कंपनी से अपेक्षा करने की शक्ति :

(i) समिति को स्वप्रेरणा से किसी कंपनी से निधि में देय रकम का संदाय करने के लिए कहने की शक्ति होगी।

(ii) समिति किसी कंपनी को प्ररूप 2 में निधि में जमा किए जाने वाली रकम का प्राक्कलन देने के लिए कहेगी।

## 9. समिति द्वारा रिपोर्ट :

समिति प्रत्येक छह मास की अवधि के लिए अपने क्रियाकलापों की रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगी।

## 10. अधिवेशन :

(i) कुल सदस्यों के एक-तिहाई सदस्यों से, समिति के अधिवेशन की दशा में पांच सदस्य और उपसमिति तीन सदस्यों के अधीन रहते हुए, गणपूर्ति होगी।

(ii) समिति का अध्यक्ष और उपसमिति का संयोजक क्रमशः, यथास्थिति, समिति के अधिवेशनों या उपसमिति के अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा। यथास्थिति, अध्यक्ष या संयोजक के अधिवेशन में किसी कारण से उपस्थित होने में असमर्थ रहने की दशा में उपस्थित सदस्य अपने में से किसी भी व्यक्ति को अधिवेशन की अध्यक्षता करने के लिए निर्वाचित कर सकेंगे।

(iii) समिति का अध्यक्ष या उपसमिति का संयोजक समिति या उपसमिति का अधिवेशन बुला सकेगा :

परन्तु यह कि यथास्थिति, अध्यक्ष या संयोजक यदि उसे समिति की दशा में कम से कम पांच सदस्यों द्वारा उपसमिति की दशा में तीन सदस्यों द्वारा इस प्रयोजन के लिए अध्यक्षता की जाती है तो भी संयोजक अधिवेशन बुला सकेगा।

(iv) अधिवेशन का समय और स्थान उपदर्शित करते हुए कम से कम चौदह पूर्ण दिवस की सूचना, यथास्थिति, समिति या उपसमिति के सदस्यों को भेजी जाएगी :

परन्तु अत्यावश्यकता की दशा में अध्यक्ष या संयोजक द्वारा समिति या उपसमिति का विशेष अधिवेशन किसी भी समय बुलाया जा सकेगा जो अधिवेशन में विचार किए जाने की विषय-वस्तु और उस अधिवेशन को आवश्यक समझे जाने वाले कारणों की सूचना सदस्यों को तीन पूर्ण दिवस अग्रिम में देगा :

परन्तु यह और कि ऐसे अधिवेशन में किसी अन्य कारबार का संव्यवहार नहीं किया जाएगा।

(v) यथास्थिति, अध्यक्ष या संयोजक किसी भी व्यक्ति को समिति या उपसमिति के अधिवेशन में उपस्थित होने के लिए विशेष आमंत्रित के रूप में आमंत्रित कर सकेगा किन्तु ऐसे व्यक्ति को मत देने का अधिकार नहीं होगा।

### 11. कार्यसूची :

(i) नियम 10 के उपनियम (iv) के परन्तुक में निर्दिष्ट किसी अधिवेशन के सिवाय समिति या उपसमिति के किसी अधिवेशन से कम से कम सात पूर्ण दिवस पूर्व अधिवेशन में संव्यवहृत किए जाने के लिए प्रस्तावित कारबार की सूची, यथास्थिति, समिति या उपसमिति के सदस्यों को भेजी जाएगी।

(ii) कारबार की सूची में जो कारबार सम्मिलित नहीं है अधिवेशन की अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति की अनुज्ञा के बिना उन्हें संव्यवहृत नहीं किया जाएगा।

### 12. मतदान :

(i) यथास्थिति, समिति या उपसमिति के किसी अधिवेशन के समक्ष लाया गया प्रत्येक प्रश्न अधिवेशन में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किया जाएगा। कोई सदस्य परोक्षी द्वारा मतदान नहीं करेगा।

(ii) अधिवेशन में समान मत होने की दशा में यथास्थिति, अध्यक्ष या संयोजक या उसकी अनुपस्थिति में अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति का द्वितीय या निर्णायक मत होगा।

### 13. कार्यवृत्त :

समिति या उपसमिति के अधिवेशन का कार्यवृत्त अभिलिखित कराया जाएगा और सदस्यों के बीच परिचालित किया जाएगा।

### 14. समिति द्वारा निधि के उपयोजन के लिए शर्तें :

- (i) समिति समय-समय पर विनिधानकर्ता जागरूकता, शिक्षा और संरक्षण और उन्हें विनिधानकर्ता कार्यक्रमों का प्रस्ताव करने वाले, संगोष्ठी, गोष्ठी आयोजित करने और विनिधानकर्ता संरक्षण के लिए परियोजना चलाने, जिसके अंतर्गत अनुसंधान क्रियाकलाप भी है, से संबंधित क्रियाकलापों में लगे संगमों या संस्थाओं या संगठनों को रजिस्ट्रीकृत कर सकेगी।
- (ii) उपनियम (i) में निर्दिष्ट ऐसे संगठनों द्वारा रजिस्ट्रीकरण करने के लिए आवेदन प्ररूप 3 में किया जाएगा।
- (iii) कंपनी कार्य विभाग के साथ रजिस्ट्रीकृत संगठनों या संस्थाओं से नियम 7(i) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों के लिए निर्गमन के संबंध में आवेदन प्ररूप 4 में किया जाएगा।
- (iv) ऐसे संगठनों अर्थात् रजिस्ट्रीकृत संगमों या चेम्बर्स आफ कामर्स या संस्थानों द्वारा आयोजित संगोष्ठी या कार्यक्रमों के साथ या सिफारिशों की एक प्रति और ऐसे क्रियाकलापों के लिए लेखे की प्रति समिति को संगोष्ठी या कार्यक्रम के समापन के दस दिन के भीतर उपलब्ध कराई जाएगी।
- (v) ऐसे रजिस्ट्रीकृत संगठनों या संगमों पर सहायता अनुदान के रूप में निधियां प्रदान करते समय एकमुश्त रूप में या प्रक्रमों में या प्रस्तावित क्रियाकलाप की प्रकृति पर निर्भर रहते हुए प्रतिपूर्ति के रूप में विचार किया जाएगा।
- (vi) समिति निधियों का निर्गमन सिफारिश करने से पूर्व अनुदानों के अन्त्य उपयोग और सहायता की परीक्षा करने के लिए हकदार होगी।
- (vii) समिति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205ग में उपदर्शित विभिन्न स्रोतों से कुल प्राप्तियों और समिति या उपसमिति द्वारा आयोजित क्रियाकलापों के संबंध में उपगत व्यय या संवितरित अनुदानों और अधिवेशनों को आयोजित करने के लिए उपगत अन्य व्यय का एक विवरण तैयार कराएगी।
- (viii) समिति संवितरित रकम "संवितरण की तारीख संगठन या स्वैच्छिक अभिकरण का नाम, अभिकरण के वे क्रियाकलाप जिनके लिए ऐसा संवितरण किया गया है" को दर्शित करते हुए आवश्यक अभिलेख रखेगी।

[फा. सं. 5/5/2000-सी. एल. 5]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

**प्ररूप सं. 1**

(नियम 3 देखिए)

**रजिस्ट्रीकरण सं. :**

प्राधिकृत पूंजी रु.

**विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि में जमा की गई रकम का विवरण**

(कंपनी द्वारा संबद्ध कंपनी रजिस्ट्रार को चालान की प्रति सहित प्रस्तुत किया जाए)

1. कंपनी का नाम और इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता :
2. निधि में रकम के संदाय की तारीख :
3. चालान की विशिष्टियां  
संदाय की पद्धति (मांग पत्र/नकद)
4. उस रकम के ब्यौरे जो निधि में जमा की गई है :  
(क) कंपनी के असंदत लाभांश खातों में रकम ;  
(ख) कोई प्रतिभूति और प्रति संदेय के लिए देय के आबंटन के लिए कंपनियों द्वारा प्राप्त आवेदन धन;  
(ग) कंपनियों के परिपक्व निक्षेप;  
(घ) कंपनियों के परिपक्व लाभांश;  
(ङ) खंड (क) से (घ) तक में निर्दिष्ट रकम पर उद्भूत ब्याज, प्रत्येक मद के लिए इस चालान और इस प्ररूप में पृथकतः दर्शित किया जाए;  
(च) अनुदान और दान;  
वह वित्तीय वर्ष जिससे रकम संबंधित है।
5. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205क(6) और (7) के अधीन फाइल किए गए प्ररूप 1क के ब्यौरे।

विवरणी प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर

लेखा परीक्षकों से प्रमाणपत्र की तारीख

स्थान और तारीख :

सत्यापित और सही पाया गया।

चार्टर्ड एकाउंटेंट/लागत लेखापाल/कंपनी सचिव/कानूनी लेखा परीक्षक

स्थान और तारीख :

**प्ररूप 2**

(नियम 8 देखिए)

**कंपनी रजिस्ट्रीकरण सं.**

प्राधिकृत पूंजी

वर्ष ..... के दौरान धारा 205ग(2) के अधीन स्थापित विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि में जमा करने के लिए देय होने वाली रकम का विवरण।

1. कंपनी का नाम
2. रजिस्ट्रीकृत कार्यालय
3. वित्तीय वर्ष
4. सुसंगत वित्तीय वर्ष की 31 मार्च को देय कुल रकम
5. .... वर्ष के दौरान विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि में जमा की गई रकम के ब्यौरे
6. रकम के ब्यौरे निम्नलिखित के संदाय के लिए देय होने की तारीख से छह वर्ष के लिए अदावाकृत रही रकम के ब्यौरे का कथन करें।  
(क) अदावाकृत लाभांश  
(ख) अदावाकृत आवेदन धन का अंश  
(ग) अदावाकृत परिपक्व निक्षेप

(घ) अदावाकृत परिपक्व डिबेंचर

(ङ) (क) से (घ) तक की बाबत व्याज

7. वह सुसंगत वित्तीय वर्ष जिसमें रकम संदाय या उन्मोचन के लिए देय है।

विवरणी प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख और स्थान

लेखा परीक्षक से प्रमाणपत्र,

सत्यापित और सही पाया गया

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स/लागत लेखापाल/कंपनी सचिव/कानूनी लेखा परीक्षक

स्थान और तारीख :

प्ररूप 3

(नियम 14 देखिए)

(रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन)

**टिप्पण :** (1) रजिस्ट्रीकरण प्ररूप का प्रस्तुत किया जाना आवश्यक रूप से स्वतः रजिस्ट्रीकरण या वित्त पोषण की गारंटी नहीं देता है।

(2) समिति को किसी आवेदन को कोई कारण बताए बिना स्वविवेकाधिकार से रद्द करने का अधिकार है।

(3) समिति द्वारा रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने के प्रयोजन के लिए जब कभी अपेक्षित हो अतिरिक्त व्यौरे मांग सकेगी।

(4) कोई मिथ्या जानकारी प्रस्तुत किया जाना या मिथ्या अभ्यावेदन किया जाना आवेदन/रजिस्ट्रीकरण को अस्वीकृत/रद्दकरण किए जाने के लिए दायी बनाएगी।

1. संगम का नाम:

2. टेलीफोन नं./फैक्स नं./ई-मेल :

3. स्थापना की तारीख :

4. प्रधान पदाधारी :

5. पता :

(क) संगठनात्मक संरचना पदाधारी

नाम	शैक्षिक अहर्ताएं	व्यवसाय/ वृत्ति	प्राथमिक या द्वितीय विपणन में से किसी में विनिधानकर्ता के रूप में अनुभव (वर्षों में विनिर्दिष्ट करें)	संगम से प्राप्त पारिश्रमिक
अध्यक्ष				
उपाध्यक्ष				
सचिव				
खजांची				

(ख) कैसे निर्वाचित या नियुक्त या नामनिर्दिष्ट किया जाए और बोर्ड के निर्वाचन की आवृत्ति क्या है।

(ग) कर्मचारियों की कुल संख्या

(गत तीन वर्षों के लिए)

6. सदस्यता

(गत तीन वर्षों के लिए)

(क) कुल संख्या

(ख) उन सदस्यों की संख्या जो निम्नलिखित हैं

- (i) विनिधानकर्ता
- (ii) विनिधान क्रियाकलापों से संपृक्त
- (iii) वृत्तिक

#### 7. वित्तीय जानकारी

(क) निधियों के स्रोत

(गत तीन वर्षों की जानकारी)

- (i) सदस्यता शुल्क
- (ii) वार्षिक अभिदाय शुल्क
- (iii) अन्य शुल्क
- (iv) आय का कोई अन्य स्रोत

(ख) निधियों का उपयोग

- (i) प्रशासनिक व्यय
- (ii) वेतन और मजदूरी  
—लेखन सामग्री और डाक टिकटें  
—प्रकीर्ण
- (iii) निधि की संगोष्ठियां, अधिवेशनों और अन्य क्रियाकलापों को आयोजित करने के लिए व्यय
- (iv) कोई अन्य व्यय  
व्यय से अधिक आय

#### 8. संगम के क्रियाकलाप

(क) संगम के उद्देश्य

(ख) संगम में पूर्व में कैसे उद्देश्यों की प्राप्ति का वर्तमान आवेदन के उद्देश्यों की प्राप्ति कैसे की ?

(ग) संगम विनिधानकर्ताओं को कैसे संसूचित करता है।

(घ) क्या संगम नियमित रूप से अधिवेशन आयोजित करता है (यदि हां तो गत तीन वर्षों के दौरान आयोजित किए गए अधिवेशनों का ब्यौरा और विशिष्टियां दी जाएं)।

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान अंशधारियों की संख्या/आयोजित किए गए सम्मेलन/संगोष्ठियों की संख्या।

(च) क्या संगम के प्रतिनिधियों को कम्पनी शेयर धारकों के अधिवेशन में उपस्थित होने के लिए भेजा जाता है।

(छ) संगम की शिकायत समाधान प्रणाली

(ज) क्या संगम विनिधानकर्ताओं की शिकायतों पर कार्यवाही करता है (यदि हां, तो गत बारह मास के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्राप्ति/समाधान की गई शिकायतों की संख्या दी जाए)।

(झ) संगम की गृह पत्रिका/प्रकाशन

(ञ) क्या संगम द्वारा पहले विनिधानकर्ताओं के हित में साधारण रूप से और सदस्यों के हित में विशिष्टतया स्टॉक एक्सचेंज/सरकार/कम्पनी को कोई अभ्यावेदन किया गया है।

(ट) कोई अन्य क्रियाकलाप

(ठ) क्या संगम या उसके किसी पदाधिकारी/सदस्य के विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई वाद/कार्यवाही लम्बित है यदि ऐसा हो तो ब्यौरे दिए जाएं।

(ड) क्या संगम समिति/केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर इसके प्रभावी कार्यकरण और अच्छे अनुशासन के लिए बनाए गए नियमों/विनियमों/मार्गदर्शक सिद्धांतों का अनुपालन करने के लिए सहमत है।

(ढ) क्या संगम का कोई पदाधिकारी किसी निगमित निकाय का सदस्य है।

#### 9. अनुलग्नक

- (i) संगम के ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, विनियमों/उपविधियों की प्रतियां।
- (ii) अद्यतन सदस्यता और उनके पते।

- (iii) गत तीन वर्षों के संप्रदर्शित लेखा विवरण/वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां।
- (iv) गृह भैगजीन/पत्रिका यदि कोई हो के गत तीन संस्करणों की प्रतियां।
- (v) संगम के रजिस्ट्रीकरण को अधिप्रमाणित करने वाले कथन की एक प्रति।
- (vi) संगम के क्रियाकलापों के ब्यौरे का विस्तृत रूप से उल्लेख करते हुए एक विवरण।

हस्ताक्षर

(नाम सहित)

अध्यक्ष

उपाध्यक्ष

सचिव

खजांची

प्ररूप सं. 4

नियम 14 देखिए

(सेवाओं/कार्यक्रमों के लिए निधि के लिए आवेदन)

1. आवेदक का नाम
2. पता  
रजिस्ट्रीकृत कार्यालय  
निगमित कार्यालय
3. गठन : (क्या संगम/चेम्बर्स आफ कामर्स/संस्थान/व्यष्टिक है)
4. निगमन/रजिस्ट्रीकरण की तारीख
5. नियम 14 के अधीन समिति द्वारा अनुदत्त मान्यता के ब्यौरे (संख्या/तारीख)  
विद्यमान क्रिया कलाप  
(i) प्रबंधन :  
निदेशक बोर्ड  
(ii) प्रस्तावित संगोष्ठी/कार्यक्रम/क्रियाकलाप के संबंध में ब्यौरे  
वह तारीख जब आयोजित की जानी है :  
स्थान :  
विषयवस्तु के संबंध में संक्षिप्त साहित्य :
6. प्रस्तावित संगोष्ठी/कार्यक्रम/क्रियाकलाप के लिए अपेक्षित रकम और उसके लिए पूर्ण औचित्य जिसके अंतर्गत निम्नलिखित ब्यौरा भी है :  
(i) क्रियाकलाप की प्रकृति  
(ii) प्रस्तावित अतिथि/अतिविशिष्ट व्यक्तियों की सूची जो मंच पर बैठेंगे।  
(iii) क्रियाकलापों के लिए उपगत किए जाने वाले प्रस्तावित व्यय का विवरण।  
(iv) स्थल का व्यय  
(v) क्रियाकलापों के अतिथियों के हस्ताक्षर निवास और खानपान संबंधी व्यय।  
(vi) अन्य व्यय  
(vii) संभावित व्यक्तियों की संख्या जो क्रियाकलाप में भाग लेंगे।  
(viii) रकम के औचित्य के लिए कोई अन्य जानकारी।

हस्ताक्षर

(नाम सहित)

अध्यक्ष

उपाध्यक्ष

सचिव

खजांची



**MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS****(Department of Company Affairs)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st October, 2001

**GSR 750 (E).**—In exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with sub-section (3) of section 205C of that Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

**1. Commencement:**

1. (1) These rules may be called the Investor Education and Protection Fund (awareness and protection of investors) Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication, in the Official Gazette.

**2. Definitions:**

In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (a) 'Act' means the Companies Act, 1956;
- (b) 'Fund' means the Investor Education and Protection Fund (IEPF) established under sub-section (1) of 205C of the Act, 1956 (1 of 1956);
- (c) "Ministry" or "Department" means Ministry or Department of the Central Government dealing the Company Affairs;
- (d) 'Committee'/'Sub Committee' means the Committee specified by Central Government under sub-section (4) of section 205C of the Act to administer the Fund.
- (e) 'Form' means forms prescribed by these rules;
- (f) Words and expressions used in these rules and not defined herein but defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

**3. Credits to the Fund:**

- (i) Any amount required to be credited by the companies to the Fund, as provided in the Act shall be remitted into the concerned specified branches of Punjab National Bank, within a period of thirty days of such amounts becoming due to be credited to the Fund and the amount so credited shall be accounted for as provided in Rule 4 below.
- (ii) (a) The amount shall be tendered by the companies on behalf of the Central Government in such branches of Punjab National Bank along with Challan (in triplicate) and the Bank will return two copies duly stamped to the Company as token of having received the amount.
- (b) Every Company shall file with the concerned Registrar of Companies one copy of the Challan referred to in (a) evidencing deposit of the amount to the Fund. The Company shall fill in the full description and the nature of the amount tendered and its Head of Account.
- (c) (i) Every Company shall, when effecting a credit to the account of the Fund, will separately furnish to the concerned Registrar of Companies a statement in Form 1 duly certified by a Chartered Accountant or a Company Secretary or a Cost Accountant practicing in India or by the statutory auditors of the company. Provided that each Company shall keep a record relating to folio number, Certificate Number etc. in respect of persons to whom the amount of unpaid or unclaimed dividend, application money, matured deposit or debentures, interest accrued or payable, for a period of three years and the Committee or Sub-Committee shall have powers to inspect such records of that period.
- (ii) On receipt of this statement, the concerned Registrar of Companies shall enter the details of such receipt in a register and reconcile the amount so remitted and collected, with the concerned Pay and Accounts Officer, on monthly basis.

- (iii) Each Registrar of Companies shall furnish an abstract of such receipt received during the month to Department of Company Affairs within seven days after the close of the month.
- (iv) Department of Company Affairs shall maintain a consolidated abstract of receipts and shall reconcile them on a quarterly basis with Principal Pay and Accounts Office of the Department of Company Affairs.

#### 4. Manner of Accounting :

- (i) (A) All amounts received shall be accounted for under the following Heads of account, which shall thereafter be transferred to the Fund.

#### MAJOR HEAD 0075—Miscellaneous General Services.

#### Minor Head 104—Unclaimed and unpaid dividends, deposits and debentures etc. of Investors in Companies :

- (a) Unpaid dividend.
- (b) Unpaid application money received by Companies for allotment of securities and due for refund.
- (c) Unpaid Matured Deposit.
- (d) Unpaid Matured Debentures.
- (e) Interest accrued on (a) to (d).
  - (i) Interest on unpaid dividend.
  - (ii) Interest on unpaid application money received by Companies for allotment of securities and due for refund.
  - (iii) Interest on unpaid matured deposits.
  - (iv) Interest on unpaid matured debentures.

Note : (a) to (d) shall be sub-heads, e (i) to (iv) shall be detailed heads.

- (i) (B) Grants and donations given to the Fund by State Governments, Companies or any other Institutions will be credited under a separate Sub-Head under the Minor Head '800 - Other Receipts below the Major Head '0075—Miscellaneous General Services'.
- (ii) All expenditure for the purposes of carrying out the objects for which the Fund has been established shall be incurred under the functional Head expenditure head of Department of Company Affairs and equivalent amount will be shown as deduct entry by transfer of amount from the fund.
- (iii) Surplus amount, if any, from the fund accounts shall not, for the present, be utilised for investment purpose.

#### 5. Expenses of the Committee :

- (a) The official member of the committee or sub-committee shall be entitled to Travelling Allowance according to the rules regulating their official position.
- (b) For Journeys performed by a non-official member of the Committee or sub-committee or a special invitee in connection with the work of the committee or a sub-committee shall be entitled for TA/DA as per supplementary Rules of Central Government.
- (c) Committee shall have powers to recommend appointment/remuneration to any experts in such areas as may be considered necessary.
- (d) Committee shall have powers to recommend appointment of Auditors and for scrutinizing the accounts of the voluntarily agencies registered with it.

#### 6. Audit of Accounts :

The accounts of the Fund shall be audited by internal audit party of the Department of Company Affairs every year and will also be subject to audit by the office of Comptroller and Auditor General of India.

#### 7. Constitution and Functions of the Committee :

- (a) The Committee shall consists of ten members, excluding the Chairperson who is Secretary, to the Department of Company Affairs. The members shall be nominated by Reserve Bank of India, the Securities and Exchange

Board of India and or from any other Ministry or Department of Central Government dealing with investor protection activities and experts from the field of investors' education and protection. The non-official Members shall hold office for a period of two years. The Official members shall hold office for a period of two years or until they occupy their position which ever is earlier. The constitution of the Committee shall be notified in the Official Gazette.

(b) Functions of the Committee

(1) The Committee shall recommend the following activities relating to investors' education, awareness and protection :

- (a) Education Programmes through Media;
- (b) Organizing Seminars and Symposia;
- (c) Proposals for registration of Voluntary Associations or Institution or other Organizations engaged In Investor Education and Protection activities;
- (d) Proposals for projects for Investors' Education and Protection including research activities and proposals for financing such projects;
- (e) Coordinating with institutions engaged in Investor Education, awareness, and protection activities;

The Committee may also be entrusted with such other functions for carrying out the objects for which the Fund has been established.

- (f) (i) The Committee may appoint one or more sub-committees whenever it considers necessary to facilitate efficient and speedy discharge of its functions.
- (ii) Sub-committee shall be constituted from amongst the members.
- (iii) The Chairperson of the Committee may nominate any one of the members of the sub-committee as its convenor and where no such nomination has been made, the members of the sub-committee elect a convenor amongst themselves.
- (iv) The Committee may have Sub- Committee to examine the end use of grants and assistance and recommend release of funds.

**8. Power to call upon a Company :**

- (i) The Committee shall have suo moto powers to call upon any company to pay the amount due to the Fund.
- (ii) Committee shall call upon any company to give estimates of the amounts to be credited to the Fund in form 2.

**9. Report by the Committee :**

The Committee shall furnish its activity report for every six month's period to the Central Government.

**10. Meetings :**

- (i) One third of the total members subject to five members in the case of meeting of committee and three members in case of sub-committee meeting shall constitute a quorum.
- (ii) The Chairperson of the Committee and the convenor of a sub-committee, respectively, shall preside over the meetings of the Committee or the sub-committee as the case may be. In the event of the Chairperson or, as the case may be, the convenor being unable to attend the meeting for any reason, the members present may elect one amongst themselves to preside over the meeting.
- (iii) The Chairperson of the Committee or the convenor of a sub-committee may, call meeting of the Committee or a sub-committee:

Provided that the Chairperson or the Convenor, as the case may be, shall also call a meeting if a requisition for that purpose is presented to him by at least five members in the case of the Committee and three members in the case of a sub-committee.

- (iv) At least fourteen clear days' notice indicating the time and place of the meeting shall be sent to the members of the Committee or the Sub-committee as the case may be:

Provided that in case of urgency, a special meeting of the Committee or Sub-committee may be called at any time by the Chairperson or the convenor, who shall inform the members at least three clear days in advance of the subject matter for consideration at the meeting and the reasons for which he considers the meeting urgent;

Provided further that no other business shall be transacted at such a meeting.

- (v) The Chairman or the convenor, as the case may be, may invite any person to attend any meeting of the Committee or sub-committee as a special invitee but such person shall not be entitled to vote.

#### 11. Agenda :

- (i) At least seven clear days before any meeting of the Committee or a sub-committee, except meetings referred to in proviso to sub-rule (iv) to rule 10, a list of business proposed to be transacted at the meeting shall be sent to the members of the Committee or of a sub-committee, as the case may be.
- (ii) No business, not included in the list of business, shall be transacted at a meeting without the permission of the Chairperson presiding over the meeting.

#### 12. Voting :

- (i) Every question brought before any meeting of the Committee or sub-committee, as the case may be, shall be decided by a majority vote of members present and voting at the meeting. No member shall vote by proxy.
- (ii) In the event of equality of votes, at a meeting, the Chairperson or the convenor, as the case may be or in his absence, the person presiding, shall have a second or casting vote.

#### 13. Minutes :

The minutes of the meeting of the Committee or Sub-committee shall be caused to be recorded and circulated among the members.

#### 14. Conditions for Utilization of Funds by the Committee :

- (i) The Committee may register from time to time various Associations or institutions or organisations, engaged in activities relating to investor awareness, education and protection and proposing for Investors programmes; organising seminar, symposia and undertake projects for Investor Protection including research activities.
- (ii) Application for registration by such organisations referred to in sub-rule (i) be made in Form-3.
- (iii) Application for release of funds for the activities listed in Rule 7(1) from the organizations or Institutes registered with the Department of Company Affairs shall be made in Form 4.
- (iv) A copy of the summary or recommendations of the seminar or programme conducted and copy of Accounts for such activity by such organisation e.g. registered associations or chambers of commerce or institutes shall be provided to the Committee within ten days of the conclusion of the seminar or programme.
- (v) The organisation or Associations registered shall be considered for grant of funds as a grant-in-aid either as one time measure or in stages or by way of reimbursement depending upon the nature of the activity proposed.
- (vi) The Committee shall be entitled to examine the end use of grants and assistance before recommending release of funds.
- (vii) The Committee shall cause to draw at the end of each Financial Year, a statement of Total Receipts from various sources indicated in section 205C of the Companies Act 1956 and the grants disbursed or the expenditure incurred in connection with the activities organised by the Committee or Sub Committee and other expenditure incurred for holding the meetings.
- (viii) The Committee shall maintain the necessary records showing amount disbursed, date of disbursal, the name of Organisation or Voluntary agency, the activities of the agency for which such disbursal was made.

[F. No. 5/5/2000-CL-V]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Form No. 1.  
(see Rule 3)

Registration No:

Authorised Capital: Rs.

**STATEMENT OF AMOUNTS CREDITED TO INVESTOR EDUCATION AND PROTECTION FUND**

(To be submitted by the Company to the concerned Registrar of Companies along-with the copy of the challan)

1. Name of the company and Address of its registered office:
2. Date of payment of amount to the Fund.
3. Particulars of the Challan :  
Mode of payment (DD/Cash):
4. Details of the amount which are credited to the Fund:
  - (a) amounts in the unpaid dividend accounts of companies;
  - (b) the application moneys received by companies for allotment of any securities and due for refund;
  - (c) matured deposits with companies;
  - (d) matured debentures with companies;
  - (e) interest accrued on the amounts referred to in clauses (a) to (d) be shown separately for each item, both in challan and in this form.
  - (f) Grants and donations.

Financial year(s) to which the amount(s) relates.

5. Details of filing Form 1A under section 205A(6) and (7) of the Companies Act, 1956.

Signature of Person  
presenting the return

Date Certificate from auditors

Place & date

Verified and found correct,

Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary/Statutory Auditor

Place & Date :

FORM NO.2

(See Rule 8)

Company Registration No.

Authorised Capital

Statement of Amounts failing due for crediting to

Investor Education and Protection Fund set up

Under Section 205C (2). During the year.....

1. Name of the Company.
2. Registered Office
3. Financial Year
4. Total amount due as on 31st March of the relevant financial year
5. Details of amount credited to Investor

Education & Protection

Fund during the year

6. Details of amounts

State the details of amounts

remaining unclaimed for six years since becoming due for payment for the following

- a. Unpaid dividend
- b. Unclaimed share application money
- c. Unclaimed matured deposits
- d. Unclaimed matured debentures
- e. Interest in respect of (a) to (d)

7. Relevant financial year in which  
amount is due for payment or redemption.

Signature of Person presenting the return :

Date & Place

Certificate from auditors

Verified and found correct.

Place

Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary/Statutory Auditor

Date

Form No. 3

(See Rule 14)

(Application for registration)

- Note: (1) Submission of the registration form does not necessarily guarantee automatic registration or funding  
(2) Committee reserves the right to reject any application in its own discretion without assigning any reason thereof.  
(3) Committee may call for additional details as and when required for the purpose of granting registration.  
(4) Any false information furnished or false representation made shall make the application/registration liable for rejection/cancellation.

1. Name of Association:

2. Address:

Tel No./Fax No./E-mail

3. Year of Establishment:

Registration No: and Date:

4. Principal office bearer.

Address:

5. Organisational structure

(a) Office Bearers:

Name	Educational Qualifications	Occupation/ Profession	Experience. (specify in number of years of experience as investor either in primary or secondary market)	Remuneration received from the Association
President				
Vice President				
Secretary				
Treasurer				

(b) How elected or appointed or nominated and what is the frequency of election to the Board

(c) Total number of employees

(For the last three years)

6. Membership (For last three years)

(a) Total Number

- (b) Number of Members who are
  - (i) Investors
  - (ii) Connected with Investment activities
  - (iii) Professionals

#### 7. Financial Information

- (a) Source of Funds (Information for last three years)
  - (i) Membership fees
  - (ii) Annual Subscription fees
  - (iii) Any other fees
  - (iv) Any other source of income
- (b) Uses of funds
  - (i) Administrative expenses
  - (ii) Salary and wages
    - Stationery and postage
    - miscellaneous
  - (iii) Expenses for holding seminars, meetings and other activities of the Fund
  - (iv) Any other expenses

Excess of income over expenditure

#### 8. Activities of the association

- (a) Objectives of the Association
- (b) How has the Association met the objectives in the past/objectives of the present application
- (c) How does the Association communicates to the investors
- (d) Whether the Association holds meeting regularly (if yes, details of the number of meetings held during the last three years and the participation to be given).
- (e) Number of shareholders/conferences/seminars held during the last three years
- (f) Whether representatives of the Association are sent to attend shareholders' meeting of companies
- (g) Whether the association handles investors grievances? (if yes, then number of grievances received and settled during the last 12 months to be given).
- (h) Grievances redress system of the Association
- (i) House Journal/publication of the Association
- (j) Whether any representation has been made by the Association in the past to the Stock exchanges/Government/Companies in the interests of the investors in general and the members in particular.
- (k) Any other activity
- (l) Whether any suits/proceedings are pending against the association or any of its office bearers/members in any court of law, if so details may be given.
- (m) Whether the association agrees to abide by the rules/regulations/guidelines framed by Committee/Central Government from time to time for its effective functioning and better discipline.
- (n) Whether any office bearer of the Association is a board member of any corporate entity.

#### 9. Enclosures

- (i) Copies of Memorandum and Articles of Association, rules regulations/bye laws.
- (ii) Latest membership and their addresses.
- (iii) Copies of the audited statement of accounts/annual report for the last three years
- (iv) Copies of last 3 issues of the House magazine/journal, if any

(v) A copy of the statement authenticating registration of the Association

(vi) A statement elaborating details of activities of the Association.

Signature

(with name)

President

Vice President

Secretary

Treasurer

Form No. 4

(See Rule 14)

(Application for Funds for Services/ Programmes)

1 Name of Applicant:

2 Address:

Registered Office

Corporate Office Address:

3 Constitution: (Whether Association/ Chamber of Commerce/ Institute/ Individual)

4 Date of Incorporation/registration

5 Details (Number/Date) of recognition granted by Committee Under rule 14

Existing activities

(i) Management:

Board of Directors :

(ii) Details relating to proposed seminar/programme/activity

Date when to be conducted:

Venue:

Brief Literature on subject matter:

6. Amount required for the proposed seminar/programme/activity and full Justification for the same including following detail

(i) The Nature of Activity

(ii) List of proposed Guests/VIPs who would chair the dais

(iii) Description of expenses proposed to be incurred for the activity

(iv) Venue expenses

(v) Travelling, Boarding and Lodging expenses of Guests for the activity

(vi) Other expenses

(vii) Expected number of people who would attend the activity

(viii) Any other information for the justification of the amount

Signature

(with name)

President:

Vice President

Secretary

Treasurer